हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन (2023-24)

कक्षा-XII **विषय: समाजशास्त्र** **कोड: 585**

सामान्य निर्देश :

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 80 अंकों तथा आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. आंतरिक मूल्यांकन के लिए:

निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:

i) 4 अंकों के लिए- दो SAT परीक्षा आयोजित की जाएगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।

ii) 2 अंकों के लिए- एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

iii) 2 अंकों के लिए- एक प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

iv) 2 अंकों के लिए- विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकत्तम 02 अंक देंगे.

v) 5 अंकों के लिए- छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

vi) 5 अंकों के लिए- विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जाएगें:

75% से 80% तक - 01 अंक
80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक
85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक
90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक
95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2023-24)

कक्षा-XII **विषय: समाजशास्त्र** **कोड: 585**

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	यूनिट - 1 भारतीय समाज की संरचना अध्याय 1 – भारतीय समाज एक : परिचय अध्याय – 2 भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना	10
2	यूनिट – 2 सामाजिक संस्थाएँ : निरंतरता और परिवर्तन अध्याय -3 सामाजिक संस्थाएँ : निरंतरता और परिवर्तन अध्याय 4 बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में	10
3	यूनिट - 3 सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप अध्याय 5 सामाजिक विषमता और बहिष्कार के स्वरूप	07
4	यूनिट - 4 विविधता में एकता की चुनौतियाँ अध्याय 6 सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ यूनिट - 5 परियोजना कार्य अध्याय 7 परियोजना कार्य के लिए सुझाव	06 07
5	इकाई 6 - भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं अध्याय -1 संरचनात्मक परिवर्तन अध्याय 2 -	10

	सांस्कृतिक परिवर्तन	
6	यूनिट - 7 सामाजिक परिवर्तन और राजनीति अध्याय 3 - संविधान और सामाजिक परिवर्तन	08
7	यूनिट - 8 सामाजिक परिवर्तन और अर्थव्यवस्था अध्याय 4 - ग्रामीण समाज में विकास और परिवर्तन अध्याय 5 औद्योगिक समाज में विकास और परिवर्तन	08
8	यूनिट - 9 सामाजिक परिवर्तन के नए क्षेत्र अध्याय 6 भूमंडलीकरण और सामाजिक परिवर्तन अध्याय7 - जनसम्पर्क साधन और जनसंचार	06
9	यूनिट - 10 सामाजिक आंदोलन अध्याय 8 - सामाजिक आंदोलन	08
कुल		80
आन्तरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100

- अध्यायवार विवरण -

भाग	विवरण
क	**भारतीय समाज**
	यूनिट - 1 भारतीय समाज की संरचना **अध्याय 1 –** **भारतीय समाज एक : परिचय** • समाजशास्त्र समाजशास्त्र क्या है - • आत्म-वाचक • व्यक्तिगत परेशानी और सामाजिक मुद्दे • उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, वर्ग और समुदाय **अध्याय – 2** **भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना** • जनसांख्यिकी और जनसांख्यिकी के प्रकार –आकारिकी और सामाजिक • जनसांख्यिकी के सिद्धांत और अवधारणाएं थॉमस रॉबर्ट माल्थस का - सिद्धांतजनसांख्यिकीय संक्रमण का सिद्धांत • जन्म दर, मृत्यु दर, प्राकृतिक वृद्धि, प्रजनन दर, शिशु मृत्यु दर, जीवन प्रत्याशा, लिंग अनुपात, आयु संरचना, निर्भरता या पराश्रितता अनुपात, जनसांख्यिकीय लाभांश आदि , • भारतीय जनसंख्या का आकार और वृद्धि -1901 से 2011 • महामारी पैन्डेमिक और एपिडेमिक -1918-19 की वैश्विक इन्फ्लुएंजा महामारी • हकदारी का पूर्ति का अभाव अमर्त्य सेन - • भारतीय जनसंख्या की आयु संरचना • भारत में साक्षरता दर • ग्रामीण-शहरी सम्पर्क और विभिन्ताए • भारत की जनसंख्या नीति
	यूनिट 2 - सामाजिक संस्थाएँ : निरंतरता और परिवर्तन **अध्याय -3** **सामाजिक संस्थाएँ : निरंतरता और परिवर्तन** • जाति और जाति व्यवस्था - जाति की परिभाषाएं और अवधारणाएं, जाति की विशेषताएं, अतीत में जाति, वर्ण व्यवस्था, जाति और वर्ण के बीच अंतर • उपनिवेशवाद और जाति

	• वर्तमान में जाति - संस्कृतिकरण और प्रभु जाति (एम.एन. श्रीनिवास) • जाति और अय्यंकली, ज्योतिराव गोविंदराव फुले, सावित्री बाई फुले, पेरियार (ई.वी. रामास्वामी नायकर) और श्री नारायण गुरु • जनजातीय समुदाय - जनजातीय समाजों का वर्गीकरण, स्थायी और उपार्जित लक्षण • जनजाति - एक संकल्पना की जीवनी • राष्ट्रीय विकास और जनजातीय विकास • समकालीन जनजातीय पहचान • परिवार - परिवार का अर्थ और अवधारणा, एकल और संयुक्त या विस्तारित परिवार, परिवार के विविध रूप • नातेदारी – नातेदारी का अर्थ और अवधारणा, नातेदारी के प्रकार और श्रेणियां, नातेदारी के रीति-रिवाज और प्रथाएं **अध्याय 4** **बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में** • बाजार और अर्थव्यवस्था पर समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य • एडम स्मिथ - बाजार अवधारणा • साप्ताहिक जनजातीय बाजार • पूर्व-औपनिवेशिक और औपनिवेशिक भारत में जाति आधारित बाजार और व्यापार तंत्र - जजमानी व्यवस्था • पारंपरिक व्यापारिक समुदाय - वैश्य, पारसी, सिंधी, बोहरा, जैन और आदि • उपनिवेशवाद और सामाजिक बाजारों का उदय - मारवाड़ी परिवार • पूंजीवाद, वस्तुकरण और उपभोग • भूमंडलीकरण : स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का गठबंधन - वैश्वीकरण, उदारीकरण • आभासी बाजार • पुष्कर ऊंट मेला • उदारीकरण पर बहस : बाजारीकरण, बाजार बनाम राज्य
	यूनिट 3 - सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप **अध्याय 5** **सामाजिक विषमता और बहिष्कार के स्वरूप**

	• सामाजिक विषमता और बहिष्कार सामाजिक कैसे है - सामाजिक असमानता, सामाजिक स्तरीकरण, पूर्वाग्रह, भेदभाव • सामाजिक अपवर्जन या बहिष्कार - अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/दिव्यांगजन, जाति और रंगभेद - दक्षिण अफ्रीका में नस्लभेद, नेल्सन मंडेला • गरीबी रेखा - गरीबी रेखा का निर्धारण और प्रतिशत • अस्पृश्यता – आयाम, बेगार प्रथा/जबरन मजदूरी • जातियों और जनजातियों के प्रति भेदभाव मिटाने के लिए राज्य और अन्य संगठनों द्वारा उठाये गए कदम • अन्य पिछड़ा वर्ग - राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, काका कालेलकर आयोग, मंडल आयोग • आदिवासी संघर्ष - आदिवासी आंदोलन और नए राज्य, झूम खेती, वनों का दोहन और आदिवासी, आदिवासियों का विस्थापन और पुनर्वास • महिलाओं की समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष - उन्नीसवीं सदी के मध्यम वर्ग के सामाजिक सुधार आंदोलन, सती विरोधी अभियान - राजा राममोहन राय, विधवा पुनर्विवाह आंदोलन - रानाडे, इस्लाम में सामाजिक सुधार आंदोलन - सर सैयद अहमद खान, जाति आंदोलन - ज्योतिबा फुले, नारी शिक्षा - दयानंद सरस्वती • स्त्री पुरुष तुलना- ताराबाई शिंदे, सुल्ताना का सपना - बेगम रुकैया सखावत हुसैन • 1931 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन और नव सुधार आंदोलन • अन्यथा सक्षम व्यक्तियों का संघर्ष - दुनिया भर में 'अन्यथा सक्षम व्यक्तियों' की सार्वजनिक धारणा, 2011 की जनगणना में अन्यथा सक्षम व्यक्ति
	यूनिट 4 - विविधता में एकता की चुनौतियाँ **अध्याय 6** **सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ** • सांस्कृतिक विविधता और सामुदायिक पहचान - सामुदायिक पहचान की विशेषताएं • समुदाय, राष्ट्र और राष्ट्र-राज्य - राज्य और राष्ट्र-राज्य का अर्थ और अवधारणा, अंतर, 'आत्मसात्करणवादी' और 'एकीकरणवादी' नीतियां • सांस्कृतिक विविधता और भारत एक राष्ट्रीय राज्य के रूप में • भारतीय संदर्भ में क्षेत्रवाद • राष्ट्र-राज्य और धर्म से संबंधित मुद्दे और पहचान • अल्पसंख्यकों के अधिकार और राष्ट्र निर्माण • सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्र राज्य

	• राज्य और नागरिक समाज

	यूनिट 5 - परियोजना कार्य **अध्याय 7** **परियोजना कार्य के लिए सुझाव** • परियोजना/अनुसंधान कार्य • परियोजना कार्य के प्रमुख चरण • परियोजना कार्य के गुण और दोष • परियोजना कार्य की प्रमुख विधियां - सर्वेक्षण, साक्षात्कार, अवलोकन, अनुसूची, प्रश्नावली, केस स्टडी • तथ्य या डाटा, डाटा के प्रकार • लघु अनुसंधान परियोजनाओं के लिए संभावित विषय - सार्वजनिक परिवहन, सामाजिक जीवन में संचार मीडिया की भूमिका, घरेलू उपकरण और घरेलू कार्य, सार्वजनिक स्थान का उपयोग, विभिन्न आयु समूहों की बदलती आकांक्षाएं, एक वस्तु की 'जीवनी'
ख	**भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास**
	इकाई 6 - भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं **अध्याय - 1** **संरचनात्मक परिवर्तन** • संरचनात्मक परिवर्तन - अर्थ और अवधारणा • भारतीय समाज की संरचना पर उपनिवेशवाद का प्रभाव - अंग्रेजी भाषा का प्रभाव • उपनिवेशवाद की समझना - उपनिवेशवाद, पूंजीवाद, पूर्व-पूंजीवादी समय और पूंजीवादी समय में साम्राज्य निर्माण के बीच अंतर, भारत के भीतर एक हिस्से से दूसरे हिस्से में लोगों की आवाजाही, पश्चिमी शिक्षा प्रणाली, पश्चिमी उपनिवेशवाद और पश्चिमी पूंजीवाद • शहरीकरण और औद्योगीकरण - औपनिवेशिक अनुभव • भारत पर ब्रिटिश औद्योगीकरण का प्रभाव - मैनचेस्टर प्रतियोगिता, लोगों का कृषि में जाना, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों का विकास, नए औपनिवेशिक शहर कोलकाता का उदय • चाय बागान - भारत में चाय उद्योग और मजदूर, असम और अन्य क्षेत्रों में मजदूरों की भर्ती, बागवानों का जीवन

	• स्वतंत्र भारत में औद्योगीकरण - विकास और सामाजिक समानता दोनों की दिशा में अर्थव्यवस्था का औद्योगीकरण, औद्योगिक शहरों (बोकारो, भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर आदि) का विकास • स्वतंत्र भारत में शहरीकरण/नगरीकरण - समाजशास्त्री एम.एस.ए. राव, महानगरीय शहर, भारत में शहरी जनसंख्या की वृद्धि दर, स्मार्ट सिटी, नगरीकरण का प्रभाव।
	अध्याय - 2 सांस्कृतिक परिवर्तन • संस्कृति - संस्कृति का अर्थ और प्रकार • सांस्कृतिक परिवर्तन की अवधारणा • 19 वीं और 20 वीं सदी की शुरुआत में सामाजिक सुधार आंदोलन - सती प्रथा, बाल विवाह, विधवा पुनर्विवाह और जातिगत भेदभाव, बौद्ध धर्म, भक्ति और सूफी आंदोलन • समाजशास्त्री सतीश सबरवाल - औपनिवेशिक भारत में आधुनिक परिवर्तन के तीन पहलू • विचार - राम मोहन राय और ब्रह्म समाज, रानाडे और विधवाओं का पुनर्विवाह, सर सैयद अहमद खान, कंदुकिरी वीरेशलिंगम, पंडिता रमाबाई, विद्यासागर, ज्योतिबा फुले, दयानंद सरस्वती और आर्य समाज, श्री नारायण गुरु • विभिन्न प्रकार के सामाजिक परिवर्तन : (एम.एन. श्रीनिवास) - संस्कृतिकरण और संस्कृतिकरण की आलोचना, प्रभु जाति, आधुनिकीकरण, धर्मनिरपेक्षता, पश्चिमीकरण और भारतीय समाज पर प्रभाव
	यूनिट 7 - सामाजिक परिवर्तन और राजनीति अध्याय - 3 संविधान और सामाजिक परिवर्तन • संवैधानिक मानदंड और सामाजिक न्याय - मौलिक अधिकार, अनुच्छेद 21, समान काम के लिए समान वेतन • पंचायती राज - अर्थ और अवधारणा, पंचायती राज संस्था की त्रिस्तरीय प्रणाली, 73वां और 74वां संवैधानिक संशोधन, ग्राम-स्वराज्य, ग्रामीण और नगरपालिका क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासी निकाय, ग्राम पंचायत की शक्तियाँ और उत्तरदायित्व, पंचायत समिति और जिला परिषद, न्याय पंचायत, ग्राम सभा • जनजातीय क्षेत्रों में पंचायती राज • वन पंचायतें- फड़, दरबार कुर, समाजशास्त्री तिपलुट नोंगबरी • राजनीतिक दल और दबाव समूह

यूनिट 8 - सामाजिक परिवर्तन और अर्थव्यवस्था

अध्याय - 4

ग्रामीण समाज में विकास और परिवर्तन

- **ग्रामीण समाज - पोंगल, बिहू, बैसाखी, उगाडी**
- **कृषि और संस्कृति के बीच संबंध**
- **कृषि संरचना: ग्रामीण भारत में जाति और वर्ग, जाति और वर्ग के बीच संबंध, खेतिहर मजदूर, प्रमुख जातियां : अजगर, बेगार या मुक्त श्रम, हलपति प्रणाली**
- **भूमि सुधारों का प्रभाव**
- **औपनिवेशिक भारत - जमींदारी व्यवस्था, रैय्यतवारी व्यवस्था, कर व्यवस्था**
- **स्वतंत्र भारत - जमींदारी प्रथा का उन्मूलन, काश्तकारी प्रथा का उन्मूलन और विनियमन अधिनियम, भूमि सीलिंग अधिनियम, बेनामी हस्तांतरण**
- **हरित क्रांति - हरित क्रांति के सकारात्मक और नकारात्मक परिणाम**
- **स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण समाज में परिवर्तन – दिनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना**
- **मजदूरों का संचार - प्रवासी कृषि श्रमिक**
- **भूमंडलीकरण/वैश्वीकरण, उदारीकरण और ग्रामीण समाज - अनुबंध खेती, कृषि का वैश्वीकरण, कृषि विस्तार, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ग्राम उदय से भारत उदय अभियान और राष्ट्रीय ग्रामीण मिशन**

अध्याय 5

औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास

- **औद्योगिक समाज की कल्पना – औद्योगीकरण**
- **भारत में औद्योगीकरण - भारतीय स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्ष, कपास, जूट, कोयला खदानें और रेलवे**
- **वैश्वीकरण, उदारीकरण और भारतीय उद्योग में परिवर्तन - निजी कंपनियां, विदेशी कंपनियां**
- **लोगों को काम कैसे मिलता है - किसी संगठन में नौकरी, स्वरोजगार, स्टैंड अप इंडिया योजना और मेक इन इंडिया योजना**
- **कार्य प्रक्रियाएं : काम कैसे किया जाता है, काम करने की स्थिति, घर आधारित काम, हड़तालें और यूनियनें**

यूनिट 9 - सामाजिक परिवर्तन के नए क्षेत्र

अध्याय 6

भूमंडलीकरण और सामाजिक परिवर्तन

- **भूमंडलीकरण/वैश्वीकरण - अर्थ और अवधारणा, भूमंडलीकरण का प्रभाव**
- **क्या भूमंडलीकरण के अंत: सम्बंध दुनिया और भारत के लिए नए हैं –प्रारंभिक वर्ष, रेशम मार्ग, भारतीयों ने शिक्षा और काम के लिए विदेशों की यात्रा की, प्रवासन**
- **भूमंडलीकरण/वैश्वीकरण तथा उसके विभिन्न आयाम**
  - उदारीकरण की आर्थिक नीति - आर्थिक सुधार जुलाई 1991, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन
  - अंतर्राष्ट्रीय निगम - कोका कोला, जनरल मोटर्स, कोलगेट-पामोलिव, कोडक, मित्सुबिशी और कई अन्य
  - इलेक्ट्रॉनिक अर्थव्यवस्था - इलेक्ट्रॉनिक पैसा, शेयर बाजार
  - भार रहित अर्थव्यवस्था या ज्ञान अर्थव्यवस्था - सूचना, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, मीडिया और मनोरंजन उत्पाद और इंटरनेट आधारित सेवाएं
  - वित्त का वैश्वीकरण –
- **वैश्विक संचार - दूरसंचार, टेलीफोन (लैंड लाइन और मोबाइल), फैक्स मशीन, डिजिटल और केबल टेलीविजन, इलेक्ट्रॉनिक मेल और इंटरनेट, डिजिटल इंडिया**
- **भूमंडलीकरण और श्रम – फोर्डीज्म, पोस्ट- फोर्डीज्म**
- **रोजगार और भूमंडलीकरण –**
- **भूमंडलीकरण और राजनीतिक परिवर्तन - यूरोपीय संघ (ईयू), दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान), दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन (एसएआरसी) दक्षिण एशियाई व्यापार संघ (एसएएफटीए), अंतर्राष्ट्रीय सरकारी संगठन (IGOs) और अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन (INGOs)।**
- **भूमंडलीकरण और संस्कृति - कूपमंडूक**
- **सजातीयता बनाम संस्कृति का भूस्थानीकरण**
- **लिंग और संस्कृति**
- **उपभोग की संस्कृति**
- **निगम/कॉर्पोरेट संस्कृति**

अध्याय - 7

जनसम्पर्क साधन और जनसंचार

	• मास मीडिया - टेलीविजन, समाचार पत्र, फिल्म, पत्रिकाएं, रेडियो, विज्ञापन, वीडियो गेम और सीडी • आधुनिक मास मीडिया की शुरुआत - प्रिंटिंग प्रेस, जोहान गुटेनबर्ग, काल्पनिक समुदाय • ब्रिटिश शासन में मास मीडिया - केसरी (मराठी), मातृभूमि (मलयालम), अमृता बाजार पत्रिका (अंग्रेज़ी) जैसे राष्ट्रवादी समाचार पत्र • स्वतंत्र भारत में मास मीडिया - लोकतंत्र के प्रहरी, दमनकारी सामाजिक प्रथाओं के खिलाफ लड़ाई जैसे अस्पृश्यता, बाल विवाह और विधवाओं का बहिष्कार आदि • रेडियो - आकाशवाणी, एफएम चैनल • टेलीविजन - हम लोग: एक महत्वपूर्ण मोड़, प्रिंस का बचाव, सोप ओपेरा, केबल टीवी, डीटीएच और आईपीटीवी • प्रिंट मीडिया - भारतीय भाषा समाचार पत्र क्रांति
	यूनिट 10 - सामाजिक आंदोलन **अध्याय - 8** **सामाजिक आंदोलन** • सामाजिक आंदोलन - अवधारणा, चार्टवाद, संयुक्त राज्य में नागरिक अधिकार आंदोलन • सामाजिक आंदोलन की विशेषताएं - निरंतर सामूहिक कार्रवाई, संगठन, नेतृत्व, संरचना और विचारधाराएं, सत्याग्रह का प्रदर्शन, गांधी और उनके प्रमुख सामाजिक आंदोलन • सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक आंदोलन • समाजशास्त्र और सामाजिक आंदोलन - फ्रांसीसी क्रांति, एमिल दुर्खीम। समाज में श्रम विभाजन, धार्मिक जीवन के स्वरूप, कार्ल मार्क्स, ई. पी. थॉम्पसन 'भीड़' के बारे में दुर्खीम का लेखन और 'भीड़' • सामाजिक आंदोलनों के प्रकार - • (i) रिडेम्प्टिव या प्रतिदानात्मक - इजवाहा, नारायण गुरु • (ii) सुधारवादी- सूचना का अधिकार अभियान • (iii) क्रांतिकारी- रुस में बोल्शेविक क्रांति • पारिस्थितिक आंदोलन - चिपको आंदोलन (रामचंद्र गुहा- अनक्वाइट वुड्स), एकीकृत गंगा संरक्षण मिशन (नमामि गंगे) और स्वच्छ भारत अभियान, अप्पिको आंदोलन, विश्व पर्यावरण दिवस

	• किसान आंदोलन - बारदोली सत्याग्रह, मोपला विद्रोह, चंपारण सत्याग्रह, तेभागा आंदोलन (1946-47) और तेलंगाना आंदोलन (1946-51), गुरिल्ला आंदोलन, 'नए किसान आंदोलन, • श्रमिक आंदोलन - बॉम्बे टेक्सटाइल वर्कर्स स्ट्राइक 1981-82, AITUC, टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन, INTUC • जाति आधारित आंदोलन - दलित आंदोलन • पिछड़ा वर्ग जाति आंदोलन - काका कालेलकर आयोग, मंडल आयोग • जनजातीय आंदोलन - बिरसा मुंडा आंदोलन, संथाल आंदोलन, झारखंड आंदोलन, तानाभगत आंदोलन, छत्तीसगढ़ आंदोलन • महिला आंदोलन - महिला भारत संघ (WIA) (1917), अखिल भारतीय महिला सम्मेलन (AIWC) (1926) भारत में महिलाओं के लिए राष्ट्रीय परिषद (NCWI) (1925), शाहजहाँ बेगम 'ऐप' दहेज के खिलाफ संघर्ष।

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2023-24)

कक्षा-XII विषय: समाजशास्त्र कोड: 585

मास	पुस्तक	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश
अप्रैल	भारतीय समाज	**यूनिट - 1 भारतीय समाज की संरचना** **अध्याय 1 –** **भारतीय समाज एक : परिचय** **अध्याय – 2** **भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना**	19	2
मई	भारतीय समाज	**यूनिट 2 - सामाजिक संस्थाएँ : निरंतरता और परिवर्तन** **अध्याय -3** **सामाजिक संस्थाएँ : निरंतरता और परिवर्तन** **अध्याय 4** **बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में**	21	2
जून	**ग्रीष्मकालीन अवकाश 01 जून से 30 जून तक** **प्रोजेक्ट / परियोजना कार्य तथा अन्य विद्यार्थी उन्नयन कार्य**			
जुलाई	भारतीय समाज	**यूनिट - 3 सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप** **अध्याय 5** **सामाजिक विषमता और बहिष्कार के स्वरूप**	22	2
अगस्त	भारतीय समाज	**यूनिट - 4 विविधता में एकता की चुनौतियाँ** **अध्याय 6** **सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ** **यूनिट - 5 परियोजना कार्य** **अध्याय 7**	12 8	2 2

		परियोजना कार्य के लिए सुझाव– थ्योरी		
सितंबर	भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास	**इकाई 6 - भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं** **अध्याय -1** **संरचनात्मक परिवर्तन** **अध्याय 2 -** **सांस्कृतिक परिवर्तन** **अर्धवार्षिक परीक्षा**	**20**	**2**
अक्तूबर	भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास	**यूनिट - 7 सामाजिक परिवर्तन और राजनीति** **अध्याय 3 -** **संविधान और सामाजिक परिवर्तन**	**18**	**2**
नवंबर	भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास	**यूनिट - 8 सामाजिक परिवर्तन और अर्थव्यवस्था** **अध्याय 4 -** **ग्रामीण समाज में परिवर्तन और विकास** **अध्याय 5** **औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास**	**20**	**2**
दिसंबर	भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास	**यूनिट - 9 सामाजिक परिवर्तन के नए क्षेत्र** **अध्याय - 6** **भूमंडलीकरण और सामाजिक परिवर्तन** **अध्याय - 7** **जनसम्पर्क साधन और जनसंचार**	**21**	**2**
जनवरी	भारत में सामाजिक	**यूनिट - 10 सामाजिक आंदोलन** **अध्याय - 8**	**11**	**1**

	परिवर्तन एवं विकास	**सामाजिक आंदोलन**		
फ़रवरी		**परियोजना कार्य के लिए सुझाव : प्रोजेक्ट वर्क एवं दोहराई कार्य**		
मार्च		**वार्षिक परीक्षा**		

नोट:

- **विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली /परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।**

निर्धारित पुस्तकें:

1. **भारतीय समाज, BSEH प्रकाशन © NCERT**
2. **भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, BSEH प्रकाशन © NCERT**

प्रश्न पत्र प्रारूप (2023-24)

कक्षा-XII **विषय: समाजशास्त्र** **कोड: 585**

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	20	20
अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	2	09	18
लघुत्तरात्मक प्रश्न	4	06	24
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (किन्ही दो प्रश्नों में आंतरिक विकल्प होगा।)	6	03	18
कुल		38	80

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2023-24)

Class- XII **Subject : SOCIOLOGY** **Code : 585**

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. Annual examination will be of 80 marks and internal assessment will be of 20 marks.
3. For Internal Assessment:

   There will be Periodic Assessment that would include:

   i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 04 marks towards the final Internal Assessment.
   ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
   iii) For 2 marks- One Pre-Board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
   iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Class room participation).
   v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
   vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

   75% to 80% - 01 marks
   Above 80% to 85% - 02 marks
   Above 85% to 90% - 03 marks
   Above 90% to 95% - 04 marks
   Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2023-24)

Sr. No.	Chapter	Marks
1	**Unit 1 – Structure of Indian Society** Chapter – 1 **Introducing Indian Society** Chapter – 2 **The Demographic Structure of the Indian Society**	10
2	**Unit 2 – Social institutions : Continuity and Change** Chapter – 3 **Social Institutions: Continuity and Change** Chapter – 4 **The Market as a Social Institution**	10
3	**Unit 3 – Social inequality and exclusion** Chapter – 5 **Patterns of Social Inequality and Exclusion**	07
4	**Unit 4 - The Challenges of Unity in Diversity** Chapter – 6 **The Challenges of Cultural Diversity** Chapter – 7 **Suggestions for Project Work : Theory**	06 07
5	**Unit 6 – Process of Social Change in India** Chapter – 1 **Structural Change** Chapter – 2 **Cultural Change**	10
6	**Unit 7 – Social Change and Politics** Chapter – 3 **Constitution and Social Change**	08
7	**Unit 8 – Social Change and Economy** Chapter – 4 **Change and Development in Rural Society** Chapter – 5 **Change and Development in Industrial Society**	08
8	**Unit 9 – New Areas of Social Change** Chapter – 6 **Globalisation and Social Change** Chapter – 7	06

	Mass media and Communications	
9	**Unit 10 – Social Movements** Chapter – 8 **Social Movements**	**08**
Total		**80**
Internal assessment		**20**
Grand Total		**100**

Course Content & Detailed Syllabus

Part	Details
A	**INDIAN SOCIETY**
	Unit 1 - Structure of Indian Society **Chapter – 1** **Introducing Indian Society** • Sociology – What is Sociology • Self-reflexivity • Personal troubles and Social issues • Colonialism, Nationalism, Class and Community **Chapter – 2** **The Demographic Structure of the Indian Society** • Demography & Types of Demography - Formal & Social • Theories and concepts in demography - Thomas Robert Malthus Concept, Theory of demographic transition • Birth rate, Death rate, Natural increase, Fertility rate, Infant mortality, Life Expectancy, Sex Ratio, Age Structure, Dependency Ratio, Demographic Dividend • Size & Growth of Indian Population- 1901 to 2011 • Epidemic & Pandemic diseases - The Global Influenza Pandemic of 1918-19 • Failure of Entitlements - Amartya Sen • Age Structure of the Indian Population • Literacy Rate in India • Rural-Urban Linkages and Divisions • Population Policy in India
	Unit 2 - Social institutions : Continuity and Change **Chapter – 3** **Social Institutions: Continuity and Change** • Caste and the Caste System – Definitions & Concepts of Caste, Cast in the Past, Varna System, Difference between Caste and Varna, Caste characteristics • Colonialism and Caste • Caste in the Present - Sanskritisation and Dominant caste (M.N. Srinivas) • Caste and Ayyankali, Jotirao Govindrao Phule, Savitri Bai Phule, Periyar (E.V. Ramasami Naickar) & Sri Narayana Guru • Tribal Communities – Classification of Tribal Societies, Permanent & Acquired Traits

	• Tribe – The Career of a Concept • National Development & Tribal Development. • Tribal Identity Today. • Family – Meaning and Concepts of Family, Nuclear and Extended Family, The Diverse forms of the Family. • Kinship - Meaning and Concepts of Kinship, Types & Categories of Kinship, Kinship Customs and Practices. **Chapter – 4** **The Market as a Social Institution** • Sociological Perspective on Markets and The Economy • Adam Smith – Market concept • Weekly Tribal Market • Caste Based Market & Trading Networks in Pre-colonial & Colonial India – Jajmani System • Traditional business Communities – Vaisyas, Parsis, Sindhis, Bohras, Jains & Etc. • Colonialism & the Emergence of Social Markets – Marwaris Families • Capitalism, Commoditization & Consumption • Globalization, Liberalization • The Virtual Market • The Pushkar Camel Fair • Marketisation
	Unit 3 - Social inequality and exclusion **Chapter – 5** **Patterns of Social Inequality and Exclusion** • Social Inequality, Social Stratification, Prejudices, discrimination • Social Exclusion – SC/ST/Woman/Divyangjan, Caste and Apartheid – Race in South Africa, Nelson Mandela • Poverty Line – Percentage of Population Living Below The Poverty Line • Untouchability – Begar System/Forced Labor • Systems justifying and perpetuating Inequality – Caste, Tribe, the Other Backward Classes • Other Backward Classes – National commission for BC, Kaka Kalelkar Commission, Mandal Commission • Adivasi Struggles – Adivasi movements & New States, Slash-and-burn farming, forest Exploitation and Adivasi, displacing adivasis & Rehabilitation

	• The Struggle for Women's Equality and Rights - The nineteenth century middle class social reform movements, Anti-Sati Campaign- Raja Rammohun Roy, widow remarriage movement- Ranade, Social Reform Movement in Islam- Sir Syed Ahmed Khan, Caste Movement - Jyotiba Phule's, women's education - Dayanand Saraswati • Stree Purush Tulana- Tarabai Shinde, Sultana's Dream - Begum Rokeya Sakhawat Hossain • In 1931, the Karachi Session of the Indian National Congress and New Reform Movements • The struggles of the Differently Abled - The Public Perception of 'disability' all over the world, The disabled in Census 2011.
	Unit 4 - The Challenges of Unity in Diversity **Chapter – 6** **The Challenges of Cultural Diversity** • Cultural diversity and Community Identity - Feature of Community Identities • Communities, Nations and Nation-States – Meaning and Concepts of State and Nation-States, Difference, 'assimilationist' and 'integrationist' policies • Cultural Diversity and India as a National State • Regionalism in the Indian context • The Nation state and religion related issues and identities • Minority Rights and Nation Building • Communalism, secularism and the nation state • State and Civil Society
	Unit 5 - Project Work **Chapter – 7** **Suggestions for Project Work** • Project /Research Work. • Major Stages of Project Work. • Merits and Demerits of Project work. • Variety of Methods – Survey, Interviews, Observation, Schedule, Questionnaires, Case Study • Data, Types of Data • Possible Themes and Subject for Small Research Projects - Public Transport, Role of Communication media in Social Life, HOUSEHOLD APPLIANCES AND DOMESTIC WORK, The Use of public space, CHANGING ASPIRATIONS OF DIFFERENT AGE GROUPS, THE 'BIOGRAPHY' OF A COMMODITY

B	**Social Change and Development in India**
	Unit 6 - Process of Social Change in India **Chapter – 1** **Structural Change** • Structural Change – Meaning and Concept • The Impact of Colonialism on the Structure of Indian Society – English Language impact • Understanding Colonialism – Colonialism, Capitalism, Difference between the empire building of pre-capitalist times and capitalist times, Movement of people from one part to another within India, Western Education System, Western colonialism & Western capitalism • Urbanization & Industrialization – The Colonial Experience • Impact of British industrialization on India - Manchester competition, People moving into agriculture, development of Coastal cities Mumbai, Kolkata and Chennai, emergence of new colonial city Kolkata • The Tea Plantations - Tea industry in India and laborers, laborers recruitment in Assam and other Area, Planters life. • Industrialization in Independent India - Industrialization of the economy as the path towards both growth and social equity, Development of industrial towns (Bokaro, Bhilai, Rourkela and Durgapur etc.) • Urbanization in Independent India - Sociologist M.S.A. Rao, METROPOLITAN CITIES, Growth Rate of Urban Population in India, Smart City, impact of urban influences.
	Chapter – 2 **Cultural Change** • Culture - Meaning and Type of Culture • Cultural Change Concept • Social Reform Movements in the 19th and Early 20th Century – Sati Pratha, Child marriage, Widow Remarriage and Caste Discrimination, Buddhism, Bhakti and Sufi movements. • Sociologist Satish Saberwal - Three aspects to the modern framework of change in colonial India • Ideas – Ram Mohun Roy and Brahma Samaj, Ranade and Remarriage of Widows, Sir Sayed Ahmed Khan, Kandukiri Viresalingam, Pandita Ramabai, Vidyasagar, Jotiba Phule, Dayanand Sarswati and Arya Samaj, Sri Narayan Guru

	• M.N. Sriniwas – Sanskritisation and Critique of Sanskritisation, Dominant caste, Modernisation, Secularisation, Westernisation and Impact on Indian Society.
	Unit 7 - Social Change and Politics **Chapter – 3** **Constitution & Social Change** • CONSTITUTIONAL NORMS AND SOCIAL JUSTICE - A Fundamental Right, Article 21, Equal pay for Equal work • Panchayati Raj – Meaning and Concept, The three-tier system of Panchayati Raj Institution, The 73rd & 74th Constitutional Amendmen, gram-swarajya, local self-government bodies in rural and municipal areas, Powers and responsibility of gram Panchyat, Panchyat Samiti & Zila Parishad, Nyaya Panchayats, Gram Sabha • Panchyati Raj in Tribal Areas • Van Panchayats – Phad, Durbar Kur, Sociologist Tiplut Nongbr • Political Parties & Pressure groups.
	Unit 8 - Social Change and Economy **Chapter – 4** **Change and Development in Rural Society** • Rural society – Pongal, Bihu, Baisakhi, Ugadi • Connection between agriculture and culture • Agrarian Structure : Relationship between caste and class, agricultural laborers, Dominant castes : AJGR, begar or free labor, halpati system, • The Impact of Land Reforms : • Colonial India – zamindari system, raiyatwari system, Tax System, • Independent India - Abolition of the zamindari system, tenancy abolition and regulation acts, Land Ceiling Acts, benami transfers • Green Revolution – Positive and negative outcome of the Green Revolution • Transformation in Rural Society after Independence - Deen Dayal Upadhyaya Gram Jyoti Yojana • Migrant agricultural labour • Globalisation, Liberalisation and Rural Society - Contract farming, globalisation of agriculture, agricultural extension, Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, Gram Uday se Bharat Uday Abhiyan and National Rural Mission. **Chapter – 5** **Change and Development in Industrial Society** • Images of Industrial Society – Industrialisation,

	• Industrialisation in India – Early Years of Indian Independence, cotton, jute, coal mines and railways. • Globalisation, Liberalisation and Changes in Indian Industry - Private companies, foreign firms • How People find Jobs - Job in an organization, Self-employment, Stand Up India Scheme and Make in India scheme. • Work Processes: How work is carried out, working conditions, home based work, Strikes and Unions.
	Unit 9 - New Area's of Social Change **Chapter – 6** **Globalisation and Social Change** • Globalisation – Meaning and Concept, impact of globalization • Are Global Interconnections New to World and to India - Silk route, Indians travelled overseas for education and work, Migration. • The Different Dimensions of Globalisation – - The Economic Policy of Liberalisation - economic reforms July 1991, International Monetary Fund, World Trade Organisation, - The Transnational corporations - Coca Cola, General Motors, Colgate-Palmolive, Kodak, Mitsubishi and many others. - The electronic economy - Electronic money, stock markets. - The Weightless Economy or Knowledge Economy - Information, Computer software, media and entertainment products and internet- based services. - Globalisation of finance – • Global communication – Telecommunications, telephones (land lines and mobiles), fax machines, digital and cable television, electronic mail and the internet, Digital India • Globalisation and Labour - Fordism, post-Fordism. • Employment and globalization – • Globalisation and Political Changes - The European Union (EU), the Association of South East Asian Nations (ASEAN), South Asian Regional Conference (SARC) South Asian Federation of Trade Association (SAFTA), International Governmental Organisations. (IGOs) and International Non-Governmental Organisations (INGOs). • Globalisation and Culture – kupamanduka • Homogenisation Versus glocalisation of culture

	• Gender and Culture • Culture of consumption • Corporate culture **Chapter – 7** **Mass Media and Communications** • Mass Media – Television, newspapers, films, magazines, radio, advertisements, video games and CDs • The beginning of Modern Mass Media - printing press, Johann Gutenberg, imagined community • Mass Media in British rule - Nationalist newspapers like Kesari (Marathi), Mathrubhumi (Malayalam), Amrita Bazar Patrika (English) • Mass Media in Independent India - The watchdog of democracy (Jawaharlal Nehru), fight against oppressive social practices like untouchability, child marriages, and ostracism of widows, • Radio – AIR, FM channels • Television - Hum Log: A Turning Point, The Rescue of Prince, Soap opera, cable TV, DTH and IPTV. • Print Media - The Indian Language Newspaper Revolution.
	Unit 10 - Social Movements **Chapter – 8** **Social Movements** • Social movements – Concept, Chartism, The civil rights movement in the United State • Features of a Social movement - sustained collective action, organization, leadership, structure, objectives and ideologies, The repertoire of satyagraha, Gandhi and his Major Social Movements • Social change and social movements. • Sociology and Social Movements - The French Revolution, Emile Durkheim. Durkheim's writings about the division of labour in society, forms of religious life, Karl Marx, E. P. Thompson 'crowd' and 'mob'. • Types of Social Movements – (i) Redemptive or Transformatory : Ezhava, Narayana Guru (ii) Reformist- Right to Information campaign (iii) Revolutionary - Bolshevik revolution in Russia • Ecological movement – The Chipko Movement (Ramachandra Guha - Unquiet Woods), Intergrated Ganga Conservation Mission' (Namami Gange) and Swachch Bharat Abhiyan, Appiko Movement, World Environment Day

	• Peasant movements - Bardoli Satyagraha, Mopla Vidroh, Champaran Satyagraha, Tebhaga movement (1946-47) and the Telangana movement (1946-51), The guerrilla movement, 'new farmer's movement, • Workers movements – Bombay textile worker's strike 1981-82, AITUC, Textile Labour Association, INTUC • Caste Based Movements – Dalit Movement. • Backward Class Castes Movements – kaka kalelkar Aayog, Mandal Commission. • Tribal movements - Birsa Munda Movement, Santhals Movement, Jharkhand Movement, Tanabhagat Movement, Chhattisgarh Movement. • Woman's Movements - The Women's India Association (WIA) (1917), All India Women's Conference (AIWC) (1926) National Council for Women in India (NCWI) (1925), Shahjehan Begum 'Ape' Struggle against dowry.

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2023-24)

Class- XII **Subject : SOCIOLOGY** **Code : 585**

Month	Book Name	Subject- content	Period of Teaching	Revision
April	Indian Society	**Unit 1 - Structure of Indian Society** Chapter – 1 **Introducing Indian Society** Chapter – 2 **The Demographic Structure of the Indian Society**	19	2
May	Indian Society	**Unit 2 - Social institutions : Continuity and Change** Chapter – 3 **Social Institutions: Continuity and Change** Chapter – 4 **The Market as a Social Institution**	21	2
	Summer Vacation 01st June to 30th June **Project work and other student Up gradation work**			
July	Indian Society	**Unit 3 - Social inequality and exclusion** Chapter – 5 **Patterns of Social Inequality and Exclusion**	22	2
August	Indian Society	**Unit 4 - The Challenges of Unity in Diversity** Chapter – 6 **The Challenges of Cultural Diversity** Chapter – 7 **Suggestions for Project Work : Theory**	12 8	2 2

September	Social Change and Development in India	**Unit 6 - Process of Social Change in India** Chapter – 1 **Structural Change** Chapter – 2 **Cultural Change** **Half Yearly Examination**	20	2
October	Social Change and Development in India	**Unit 7 - Social Change and Politics** Chapter – 3 **Constitution & Social Change**	18	2
November	Social Change and Development in India	**Unit 8 - Social Change and Economy** Chapter – 4 **Change and Development in Rural Society** Chapter – 5 **Change and Development in Industrial Society**	20	2
December	Social Change and Development in India	**Unit 9 - New Areas of Social Change** Chapter – 6 **Globalisation and Social Change** Chapter – 7 **Mass media and Communications**	21	2
January	Social Change and Development in India	**Unit 10 - Social Movements** Chapter – 8 **Social Movements**	11	1

February		**Project Work** **Revision Work**		
March		**Annual Examination**		

Note:

- **Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.**

Prescribed Books:

- **Indian Society, BSEH Publication © NCERT**
- **Social Change and Development in India, BSEH Publication © NCERT**

Question Paper Design (2023-2024)

Class- XII **Subject : SOCIOLOGY** **Code: 585**

Type of Question	Marks	Number	Total Marks
Objective Type Question	1	20	**20**
Very Short Type Question	2	09	**18**
Short Answer Type Question	4	06	**24**
Essay Answer Type Question (Internal Choice will be given in any two questions)	6	03	**18**
Total		**38**	**80**